

बेहतर जिंदगी की तलाश में स्पेन पहुंचे प्रवासी लौटने को मजबूर

सेऊटा,(ए)। यूरोपीय देश स्पेन के शहर सेऊटा में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले हजारों प्रवासी अब धीरे-धीरे मोरक्को लौटने लगे हैं। बेहतर जिंदगी और नए अवसरों की उम्मीद में समुद्र पार कर स्पेन पहुंचे इन लोगों का कहना है कि वहां उन्हें उम्मीद के मुताबिक सुविधाएं और स्वीकार्यता नहीं मिली। कई प्रवासियों ने दावा किया कि उन्हें कठिन परिस्थितियों, भेदभाव और परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने वापस लौटने का फैसला किया।

जानकारी के अनुसार, पिछले दिनों बड़ी संख्या में लोग मोरक्को से समुद्र के रास्ते सेऊटा पहुंचे थे। कई लोगों ने सीमा पर लगी सुरक्षा व्यवस्था को पार कर स्पेन में प्रवेश किया। इसके बाद शहर में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। स्थानीय लोगों और प्रवासियों के बीच विवाद की घटनाएं भी सामने आईं। लगातार बढ़ते दबाव के बाद अब कई प्रवासी अपने देश वापस जाने लगे हैं, हालांकि अभी भी बड़ी संख्या में लोग सेऊटा में मौजूद हैं। मोरक्को के टैंजियर निवासी मोहम्मद नियास ने बताया कि वह बेहतर भविष्य की उम्मीद में कई बार स्पेन जाने की कोशिश कर चुके थे। उनका कहना है कि यूरोप पहुंचने के बाद उन्हें केवल मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अन्य लोगों को भी चेतावनी दी कि केवल बेहतर जीवन की उम्मीद में खतरनाक रास्तों से यूरोप पहुंचना



आसान नहीं है। प्रवासियों के अनुसार, वे पहले मोरक्को के फानिदेक इलाके में पहुंचे और वहां से स्पेन की सीमा पार करने की कोशिश की। कुछ लोगों का दावा है कि सीमा तक पहुंचने के दौरान उन्हें ज्यादा रोक-टोक का सामना नहीं करना पड़ा। हालांकि, सुरक्षा विशेषज्ञ इसे बड़ी चूक मान रहे हैं और सीमा प्रबंधन पर सवाल उठा रहे हैं। सेऊटा पहुंचने वाले कई प्रवासियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों का व्यवहार उनके प्रति सकारात्मक नहीं था। उनका कहना है

अमेरिकी रक्षा सचिव ने मांगा 1.5 ट्रिलियन डॉलर का रिकॉर्ड रक्षा बजट
वाशिंगटन,(ए)। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर के ऐतिहासिक रक्षा बजट की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि सरकार इस विशाल बजट को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही है। हेगसेथ के अनुसार, यह बड़ा हुआ सैन्य खर्च, निजी क्षेत्र का निवेश और रिकॉर्ड स्तर पर हुई नई भर्तियां अमेरिकी सुरक्षा बलों को एक नया आकार दे रही हैं। हेगसेथ ने बताया कि यह फंडिंग के पारंपरिक तरीके से अलग होगा। ट्रंप प्रशासन ने रक्षा ठेकेदारों को केवल सरकारी फंडिंग पर निर्भर रहने के बजाय निजी पूंजी का उपयोग करने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसके परिणामस्वरूप, अब तक रक्षा कंपनियों द्वारा 75 बिलियन डॉलर का निजी निवेश हुआ है, जिससे नाफ्टा, उपकरण और असेंबली लाइन बन रही हैं। यह भविष्य के हथियारों के निर्माण को गति दे रहा है और करदाताओं के पैसे भी बचा रहा है। रक्षा सचिव ने भर्ती में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैरिट को शामिल करने, सोशल इंजीनियरिंग को हटाने और कर्मांडरों को अनुशासन लागू करने की छूट देने से भर्ती में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। हेगसेथ ने इस प्रवृत्ति को सीधे राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व और 2024 के चुनाव के दिन से जोड़ा, जब अमेरिकी लोगों ने उनके नेतृत्व में काम करने की इच्छा व्यक्त की। हेगसेथ ने ट्रंप के कार्यकाल में हुए सैन्य अभियानों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें हतियारों के खिलाफ कार्रवाई, ईरानी परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाने के ऑपरेशन और डूंग काटने के खिलाफ प्रयास शामिल हैं।

अमेरिकी नौसेना पर बढ़ा दबाव, अतिरिक्त युद्धपोतों की जरूरत बताई गई

वॉशिंगटन,(ए)। ईरान के साथ जारी सैन्य तनाव और मध्य पूर्व में लगातार हो रहे मिसाइल हमलों के बीच अमेरिकी नौसेना के संसाधनों पर भारी दबाव की खबरें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि यूरोप में अमेरिकी सैन्य कमान के प्रमुख जनरल एलेक्सस ग्रिन्केविच ने पेंटागन को आगाह किया है कि यदि जल्द अतिरिक्त नौसैनिक बड़े और गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर उपलब्ध नहीं कराए गए, तो क्षेत्र में मौजूदा सैन्य जिम्मेदारियों को निभाना कठिन हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि संसाधनों की कमी की स्थिति में अमेरिका को अपनी मुख्य भूमि की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी पड़ सकती

है। जानकारी के मुताबिक, ईरान और उसके समर्थित हूती विद्रोहियों की ओर से किए जा रहे बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने के लिए अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत लगातार तैनात हैं। इन जहाजों पर चौबीसों घंटे परिचालन का दबाव बना हुआ है, जिससे उनके रखरखाव और संचालन संबंधी चुनौतियां बढ़ गई हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक लगातार तैनाती से नौसैनिक क्षमता और तकनीकी संसाधनों पर असर पड़ सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी वायु एवं मिसाइल रक्षा प्रणाली में उपयोग होने वाली पेंटेट्रट और थाड इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार भी लगातार घट रहा

है। महीनों से जारी सैन्य अभियान के कारण इन रक्षा प्रणालियों का बड़े पैमाने पर उपयोग हुआ है, जिससे भविष्य की आवश्यकताओं को लेकर चिंता बढ़ी है। स्पेन के रोटा नौसैनिक अड्डे पर तैनात कई अमेरिकी डिस्ट्रॉयर भी लंबे समय से लगातार अभियान में लगे होने के कारण अतिरिक्त दबाव झेल रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की कोशिशें विफल होने के बाद संघर्ष कई महीनों से जारी है। हालात उस समय और गंभीर हो गए जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बढ़ा और समुद्री यातायात प्रभावित हुआ। इसके बाद अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक निगरानी और नाकाबंदी से

जुड़े कदम उठाए। इस घटनाक्रम का असर वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है।हालाँकि, पेंटागन और अमेरिकी प्रशासन ने इन रिपोर्टों पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि किसी भी लंबे सैन्य अभियान के दौरान वरिष्ठ कर्मांडरों द्वारा संसाधनों की उपलब्धता और संभावित जोखिमों को लेकर सरकार को आगाह करना सामान्य सैन्य प्रक्रिया का हिस्सा होता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए आने वाले दिनों में अमेरिकी सैन्य रणनीति और संसाधनों की तैनाती पर दुनिया की नजर बनी रहेगी।

जुड़े कदम उठाए। इस घटनाक्रम का असर वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है।हालाँकि, पेंटागन और अमेरिकी प्रशासन ने इन रिपोर्टों पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि किसी भी लंबे सैन्य अभियान के दौरान वरिष्ठ कर्मांडरों द्वारा संसाधनों की उपलब्धता और संभावित जोखिमों को लेकर सरकार को आगाह करना सामान्य सैन्य प्रक्रिया का हिस्सा होता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए आने वाले दिनों में अमेरिकी सैन्य रणनीति और संसाधनों की तैनाती पर दुनिया की नजर बनी रहेगी।

राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत विजेता यामिनी को 25 लाख रुपये और सरकारी नौकरी देगी मध्यप्रदेश सरकार

ग्लासगो (ईएमएस)। भारत की यामिनी मौर्व ने स्कॉटलैंड की राजधानी ग्लासगो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों की जुड़ो स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। यामिनी मध्यप्रदेश के सागर हिल से है। उनकी इस शानदार सफलत पर बधाई देते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने 25 रुपये का नागद पुरस्कार और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। यामिनी ने ये सफलता विपरीत हालातों से निकलकर हासिल की है।

खिताबी मुकाबले में यामिनी की टक्कर महिलाओं के 57 किग्रा से कम भार वर्ग में इंग्लैंड की अनुभवी एसिल्या टॉपराक से हुई थी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। इसमें यामिनी बहुत ही कम अंतर से स्वर्ण पदक नहीं जीत पायीं। उन्होंने इस दौरान विरोधी खिलाड़ी को कड़ी चुनौती देते हुए अंतिम क्षणों तक संघर्ष किया।

यामिनी का यहाँ तक का सफर बेहद कठिन रहा। यामिनी के पास हमेशा से ही साधनों की कमी रही पर उनके सपने बड़े थे। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई स्थानीय सरकारी स्कूल से की। शुरुआती दिनों में उन्हें जुड़ो जैसे खेल को चुनने के लिए अपने समाज से ताने भी सुनने पड़े, पर उन्होंने किसी की परवाह नहीं की। उनका ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहा।

साल 2017 में एक मुकाबले के दौरान उन्हें एक गंभीर चोट लगी, जिसमें उनका घुटना टूट गया था। सर्जरी के बाद वह एक साल तक खेल से दूर रहीं पर यामिनी ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट लगन से न सिर्फ वापसी की, बल्कि पहले से भी ज्यादा दमदार प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। वह 2022 से लगातार भारतीय दल का हिस्सा रही हैं और दो बार सौनियर नेशनल चैंपियन का खिताब भी इस



खिलाड़ी ने जीता।

यामिनी को इस असाधारण उपलब्धि पर मध्य प्रदेश सरकार उन्हें सम्मानित करेगी। मध्य प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग ने यामिनी को बधाई देते हुए कहा है कि उनकी सफलता से देश का गौरव बढ़ा है। सारंग ने वीडियो कॉल के जरिये से यामिनी से बात भी की और उनका हौसला बढ़ाया। मध्य प्रदेश की खेल नीति के अनुसार, यामिनी को 25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी और साथ ही उन्हें सरकारी नौकरी भी प्रदान की जाएगी। यह सम्मान न सिर्फ यामिनी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा, बल्कि अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगा। यामिनी के अलावा धारोचोलन में रजत पदक जीतने वाले मध्य प्रदेश के ही अजय बाबू को भी 25 क इनाम और सरकारी नौकरी दी जाएगी।

मुम्बई (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 9 साल के बाद भारतीय टेस्ट टीम एक बार फिर श्रीलंका में खेलती दिखेगी। भारतीय टीम को ये दौरा 9वां द्विपक्षीय टेस्ट दौरा होगा। अगर पिछले तीन दशक के इतिहास पर नजर डालें, तो साल 1985 से 2017 तक भारतीय टीम ने श्रीलंका में कुल 24 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान भारत ने 9 जीत दर्ज की हैं, 7 में उसे हार मिली और 8 मुकाबले ड्रा रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से भारत का पलड़ा भारी रहा है और टीम ने श्रीलंकाई मैदानों पर अपने पिछले पांचों टेस्ट मैच जीते हैं। इस बार भारतीय टीम के 15 सदस्यीय दल में से 12 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार श्रीलंका में टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। इसमें कप्तान शुभमन शिल, जसप्रीत बुमराह, आक्रमक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए प्रेरित करेगा, बल्कि अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगा। यामिनी के अलावा धारोचोलन में रजत पदक जीतने वाले मध्य प्रदेश के ही अजय बाबू को भी 25 क इनाम और सरकारी नौकरी दी जाएगी।



गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पहली बार 1985 में कपिल देव की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया, जहाँ उसे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 1993 में, भारत को पर कई रिकार्ड बनाये हों पर श्रीलंका में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पहली बार 1985 में कपिल देव की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया, जहाँ उसे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 1993 में, भारत को पर कई रिकार्ड बनाये हों पर श्रीलंका में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

1997, 1999 और 2001 में भी भारतीय टीम को खास सफलता नहीं मिली और या तो सीरीज ड्रा रही या भारत को हार झेलनी पड़ी। 2008 का दौरा अजंता मेंडस की रहस्यमी श्रीलंका की धरती पर अपनी पहली में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

हालाँकि, 2015 का श्रीलंका दौरा भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। गॉल में 63 रनों की हार श्रीलंका की धरती पर टेस्ट मैचों में भारत की आखिरी हार थी। उस हार के बाद, विराट

कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने वापसी की और अगले दोनों टेस्ट जीतकर 2-1 से ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम की। 2017 में भारत ने श्रीलंकाई टीम का पूरी तरह सफाया कर दिया। 26 जुलाई को गॉल में 304 रनों की विशाल जीत, 3 अगस्त को एसएससी में पारी और 53 रनों की जीत, और 12 अगस्त को पल्लेकेले में पारी और 171 रनों की धमाकेदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3-0 से जीती और अपना दबदबा साबित किया।

अगर द्विपक्षीय सीरीज के नतीजों पर नजर डालें तो 1985, 1993, 2001 और 2008 की चारों सीरीज में भारत को नाकामी मिली थी (1993 ड्रा, अन्य में हार), जबकि 2010 की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। लेकिन 2015 (2-1) और 2017 (3-0) की पिछली दो सीरीज जीतकर भारत ने अपना दबदबा साबित किया है। अब 2026 में, जब भारतीय टीम 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलने उतर रही है, तो उनके सामने अपने पिछले 5 टेस्ट मैचों की जीत की लय को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, ट्रंप ने कहा- तत्काल लौटें अमेरिका

वााशिंगटन,(ए)। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी प्रशासन ने अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अम्मान, यरुशलम और बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावासों ने क्षेत्र में रह रहे अमेरिकी नागरिकों से हालात पर लगातार नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर पश्चिम एशिया से निकलने की तैयारी करने को कहा है। सुरक्षा सलाह में उड़ानों की स्थिति पर नजर रखने, स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और संभावित यात्रा व्यवधानों के लिए तैयार रहने की अपील की गई है। इस कदम के बाद क्षेत्र में संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

यह अलर्ट ऐसे समय जारी हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और तेज की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने हितों और सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा तथा जरूरत पड़ने पर कड़े कदम उठाएगा। साथ ही अमेरिका रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात सामान्य बनाए रखने पर भी जोर दे रहा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने आरोप लगाया कि ईरान ने युद्धविराम संबंधी समझौते का



उल्लंघन किया है। उनके अनुसार, तेहरान ने समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद वाणिज्यिक जहाजों पर हमले किए और अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि जब तक ईरान सार्थक वार्ता के लिए आगे नहीं आता, तब तक अमेरिका आवश्यक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

उधर, कुवैत की सेना ने बताया कि देश के उत्तरी हिस्से में ड्रोन हमलों का जवाब दिया गया है। सेना के अनुसार, कुछ सरकारी प्रतिष्ठानों सहित महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की गई, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही हैं।

इसी दौरान ओमान तट के निकट समुद्री सुरक्षा से जुड़े दो अलग-अलग घटनाक्रम भी सामने आए। एक टैंकर के इंजन कक्ष को कथित प्रक्षेपास्त्र से नुकसान पहुंचा, जबकि दूसरे जहाज के पास जोरदार विस्फोट दर्ज किया गया। दोनों घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन होर्मुज क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। क्षेत्रीय तनाव के बीच गाजा भी संघर्ष जारी है। हमास द्वारा हथियार डालने की सहमति जताए जाने के बावजूद इजरायल की सैन्य कार्रवाई जारी रहने की खबरें हैं। इन घटनाओं ने पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति को और जटिल बना दिया है तथा पूरे क्षेत्र में अस्थिरता की आशंका बढ़ा दी है।

दोस्तों ने हाथ खींचे, ट्रंप ने ईरान पर हमले का प्लान छोड़ा

वाॉशिंगटन,(ए)। ईरान को लेकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब ने अमेरिका से सैन्य कार्रवाई को और अधिक न बढ़ाने की सलाह दी है। बताया जा रहा है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत में ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई से बचने की आवश्यकता जताई। रिपोर्टों के अनुसार, इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर प्रस्तावित बड़े हमले की योजना फिलहाल टाल दी। हालाँकि, इस संबंध में व्हाइट हाउस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि या प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। जानकारी के अनुसार, क्राउन प्रिंस ने राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत कर ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य अभियान की व्यापकता को लेकर जानकारी ली थी। इसके अलावा उन्होंने अपने भाई और सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान को वॉशिंगटन भेजा, जहाँ उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सहित अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर क्षेत्रीय सुरक्षा और मौजूदा हालात पर चर्चा की। इसी बीच अमेरिका ने पश्चिम एशिया में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। यरुशलम और पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में स्थित अमेरिकी दूतावासों ने अमेरिकी नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। प्रशासन ने क्षेत्र में हालात तेजी से बदलने की आशंका भी जताई है। पिछले कुछ महीनों से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा, समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने आरोप लगाया कि ईरान ने अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम संबंधी समझौते का उल्लंघन किया है। उनके अनुसार, समझौते के बाद भी ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर हमले किए और अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यदि ईरान सार्थक वार्ता के लिए आगे नहीं आता, तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। उधर, कुवैत की सेना ने भी देश पर ड्रोन हमलों की जानकारी देते हुए कहा कि सुरक्षा बल इन हमलों का जवाब दे रहे हैं। सेना का मानना है कि इन घटनाओं का संबंध क्षेत्र में जारी तनाव और ईरान से जुड़े घटनाक्रमों से हो सकता है।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क (ईएमएस)। अमेरिका में इस माह के अंत में शुरू होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इससे सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना

साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएंगी। जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे महबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के

मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टा-स्टडेड लानडन में साफ दिख रहा

है। इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा

रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और कई निश्चिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राडबाकिना, तथा रूस की मिरा आंद्रेयेवा और आंद्रैंड रबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से

नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है। महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियमस का नाम भी शुरुआती सूची में शामिल नहीं है। पिछले महीने विंबलडन में वापसी के बावजूद, घुटने की चोट के कारण वह अपनी बहन वीनस विलियमस के

साथ प्रस्तावित युगल मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 17 अगस्त तक पूरी होगी। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ संयुक्त एकल रैंकिंग वाली छह जोड़ियों को सीधे मुख्य दौर में जगह मिलेगी, आठ जोड़ियों को विशेष आमंत्रण मिलेगा, जबकि आंतिम दो स्थानों का फैसला 24 अगस्त को होने वाले क्वालीफिकेशन मुकाबलों से होगा।